F.No.A-50015/01/2014-AR (Ad II) Vol-II
Government of India
Department of Administrative Reforms and Public Grievances

5th floor, Sardar Patel Bhavan,
Sansad Marg, New Delhi-110001,
Dated: 20th July, 2015

Office Memorandum

Sub: -Information under Right to Information Act, 2005.

One RTI application received from Shri Balbir Singh Chouhan is transferred herewith under Section 6(3) of RTI Act, 2005.

2. It is requested that information may please be furnished to the applicant directly.

3. Fee of Rs.60/- (Rs.50+10) has been received in this Department through I.P.O.No. 72G 958213 and 26F 134581 dated 11.07.2015.

(V.K.Verma)
Under Secretary to the Government of India & CPIO
Tel: 23401453

Encl: as above

Shri. Aseem Shrivastava, IFS
Public Information Officer
Wildlife Institute of India, Chandrabani,
Dehradun (Uttarakhand),

Copy to:-

1. Shri Balbir Singh Chouhan, 109 Mahima Enclave, Kehri Gaon, Chandanbadi, Prem Nagar, Dehradun-248008, Uttarakhand News for information.

2. Cash Section in DARPG along with IPO No. 72G 958213 and 26F 134581 of Rs. 60/- (Rs.50+10).

PA (RTI)
Pl. send up.
20.7.15

No.................../SECY./(P&PW)
Date...

238/R72
20/7/15

would like to examine this
DS (P&G)

सेवामें,

माननीय
सचिव महोदय,
प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग
(कार्मिक, लोक शिकायत और पैंशन मंत्रालय)
भारत सरकार,
कमरा नं. 514, पांचवां तल,
सरदार पटेल भवन, नई दिल्ली,

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अंतर्गत सूचना

1. Subject : A Humble prayer to Merger the Pay Scale of Rs.1320-2040 of 5th Pay Commision in foavour of all Technical cadre Post on All India Basis from (Pre-revised Scale of Rs.1350-& Rs.140-2300) toRs.4500-125-7000, and Anomalies between Ministerial Staff andTechnical Staff Merger Scale of Rs.1320-2040. For Information to RTI Act, 2005.

2.विषय : **Anomalies for Pay Fixation of dated 01-01-2006 से, के संबंध में प्रार्थना–पत्र व स्पष्टीकरण सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के।**

PS(PG)

महोदय जी,

निवेदन इस प्रकार से है कि प्रार्थी **"पुस्तकालय सहायक"** के पद पर **दिनाँक 27–11–1995** से संस्थान में कार्यरत है और प्रार्थी का पद तकनीकी ग्रेड के अंतर्गत आता है। हमारे संस्थान के नियमावलीनुसार प्रार्थी की पदोन्नति 7 वर्ष की समयावधि मे होनी जरूरी है क्योंकि तकनीकी कर्मचारियों के लिए भारत सरकार ने हर भिन्न–भिन्न संस्थानों में अलग–अलग प्रकार से तकनीकी कर्मचारियों के लिए पदोन्नति के लिए नियम लागू किये हैं कन्हीं–2 पाँच वर्ष में पदोन्नति का प्रावधान भी है तथा मेरी शैक्षिक योग्यता तकनीकी ग्रेड से लाईब्रेरी साइंस से डिग्री कोर्स (Bachelor's Degree in Library and Information Science) है।

1. यह कि जब प्रार्थी की **प्रथम पदोन्नति दिनांक 27–11–2002** में हुई है तो उस दौरान प्रार्थी को नॉन–तकनीकी का **वेतनमान रू04000–6000 का दिया गया** है जबकि तकनीकी ग्रेड का **वेतनमान रू04500–7000** का मिलना चाहिए था क्योंकि प्रार्थी की पदोन्नति संस्थान के नियमानुसार 7 वर्ष की सेवा पूर्ण होने पर **रू01320–2040** के वेतनमान में होनी थी लेकिन इस वेतनमान को **भारत सरकार ने 5वें पे कमीशन में, रू01350–2200 व रू01400–2300** के वेतनमान में मर्ज व विलय कर दिया गया है इस संबंध में प्रार्थी लगातार जब से प्रथम पदोन्नति हुई है कार्यालय को लिखित रूप से अवगत कराते हुए आ रहा है लेकिन हमारे संस्थान के निदेशक महोदय, **प्रशासनिक अधिकारी/वित्त अधिकारी/स्टोर कीपर अधिकारी/शैक्षणिक अधिकारी** आदि जो चार–चार पदों पर कार्यभार ग्रहण करते हुए **भारत सरकार के नियमों की अनदेखी करते** हुए प्रार्थी को उचित

वेतनमान नहीं दिया जा रहा है जिसके कारण प्रार्थी को आर्थिक लाभ की अनदेखी करते हुए प्रार्थी को लिपिक वर्ग का वेतनमान दिया गया है और प्रार्थी को आर्थिक हानि उठाने के लिए मजबूर कर दिया है। **कापी संलग्न है पेज न0–5 पर।**

2. यह कि जब संस्थान में ऑडिट पार्टी **2013 में** आने पर, इस संबंध में प्रार्थी ने जब अपना पदोन्नति से संबंधित मामला ऑडिट प्रार्टी के समक्ष रखा है तो ऑडिट पार्टी ने प्रार्थी के पक्ष में निर्णय देते हुए इस प्रकार से प्रार्थी की व्यक्तिगत सेवा पंजिका में (सर्विस बुक में) यह लिखा गया है कि– **"He will be granted record ? Rs.4500-125-7000 (Pre-revised Rs.1350-2200 & Rs.1400-2300) w.e.f. 27-11-2002, fresh calculation may be made upto date Accordgly" By Audit Signature dated 26-09-2013. C&AG, New Delhi (Copy enclosed). Page no. 6.**

ऑडिट प्रार्टी का भी यही कहना था कि तकनीकी कर्मचारियों के लिए **रू01320–2040** के वेतनमान को **भारत सरकार ने 5वें पे कमीशन में रू01350–2200 व रू01400–2300** के वेतनमान में विलय कर दिया गया है इसलिये इसे नये सिरे से Calculations करके लागू करा जाँय तथा प्रार्थी को देय तिथि से व **दिनांक 27–11–2002** से दिया जाँय।

3. ऑडिट प्रार्टी द्वारा दिया गया निर्णय पर प्रार्थी को कार्यालय द्वारा लिखित रूप में यह आश्वासन दिया गया है कि भविष्य में जब भी अगला ऑडिट संस्थान में आयेगा तो इस मुद्दे को उनके समक्ष दूबारा रख कर इस पर निर्णय लिया जायेगा लेकिन प्रार्थी आपको इस संबंध में अवगत करवाना चाहता है कि ऑडिट पार्टी संस्थान में, उसके बावजूद तीन बार आ करके चले गये उस दौरान भी प्रार्थी ने जब–जब संस्थान में ऑडिट आया कार्यालय को लिखित में अवगत कराते हुए कहा कि प्रार्थी के पदोन्नति से संबंधित जो पूर्व ऑडिट ने निर्णय दिया गया है उस वेतनमान को देय तिथि से देने की कृपा करें लेकिन कार्यालय द्वारा अभी तक इस पर कोई निर्णय नहीं किया गया है। **जिसके कारण प्रार्थी को मानसिक पीड़ा का सामना करना पड़ रहा है। पेज न0–7 से 8 पर।**

4. यह कि प्रार्थी माननीय सचिव महोदय जी, से निवेदन करता है कि मेरे साथ हो रहे अन्याय के संबंध में कृपया यह स्पष्ट करने की कृपा करें कि **रू01320–2040 के मर्जर** वेतनमान को केवल तकनीकी के **कर्मचारियों का 5वें पे कमीशन** में किस वेतनमान में मर्ज किया गया है।

5. यह कि प्रार्थी माननीय सचिव महोदय जी, को यह भी अवगत करवाना चाहता है कि **दिनांक 01–01–2006 को** प्रार्थी की बेसिक पे **रू08000+2400 ग्रेड** पे (वेतनमान रू04000–6000 नॉन–तकनीकी का) था और इसी वर्ष दिनांक **01–04–2006 से अगले वेतनमान में प्लेसमेंट रू04500–7000 में किया गया** है तो प्रार्थी की, पे किस प्रकार से फिक्स की जाएगी जबकि कार्यालय द्वारा इस प्रकार से पे फिक्स की गयी है जोकि उचित नहीं है **सभी पे फिक्स से संबंधित पेपर साथ में संलग्न है। पेज न0–9 से 12 पर।**

जिसके कारण प्रार्थी को प्रतिमाह एक हजार रूपये की हानि हो रही है। यह पे फिक्स ऑडिट जाने के बाद की गयी है क्योंकि संस्थान को एरियर देना पड़ रहा था **और प्रार्थी की द्वितीय पदोन्नति जब दिनांक 27–11–2009 से रू05500–9000 के वेतनमान में हुई है** तो उस अवधि का एरियर (आर्थि लाभ प्रार्थी को) भी नहीं दिया गया है क्योंकि कार्यालय का कहना यह है कि आपकी पे पहले गलत फिक्स की गयी है इसलिए आपको एरियर नहीं मिलेगा। महोदय जी, प्रार्थी की **पे चार बार फिक्स** की गयी है क्योंकि प्रार्थी को आर्थिक लाभ न करते हुए आर्थिक हानि करनी आवश्यक समझी गयी है यह सब ऑडिट प्रार्टी द्वारा जब प्रार्थी सर्विस बुक में लिखे जाने पर दूबारा से पे फिक्स करने का आदेश दिया गया है। ऑडिट प्राटी के निर्णय के बाद भी संस्थान ने प्रार्थी की तनख्वाह और कम की गयी है। **जबकि ऑडिट के निर्णयनुसार से पे में बढ़ोत्तरी होनी चाहिए थी** लेकिन प्रार्थी को किसी न किसी प्रकार से आर्थिक हानि करनी उचित समझा गया है। महोदय जी, आप इन संलग्न पत्रो के द्वारा देख सकते है कि प्रार्थी की बेसिक पे दिनांक **21–03–2012** के पत्रांक सं0.**A/2-3/2007-WII dated 21, March, 2012** में प्रार्थी की **बेसिक पे दिनांक 01–07–2011** को **रू010940/– थी** व पत्रांक सं0.**A/2-11/2009-WII, dated 20 August, 2013** में प्रार्थी की बेसिक पे **दिनांक 01–07–2011 को रू010610/–** की गयी है इस प्रकार से प्रार्थी की पे पहले दिये गये पत्रानुसार अधिक थी व प्रार्थी के अनुसार सही थी **और 2013** के पत्रानुसार कम की गयी है जोकि सही नहीं है। लेकिन ऑडिट प्रार्टी के निर्णयनुसार तो दोनों ही पे फिक्स गलत है। **पेज न0–11 से 12 पर।**

प्रार्थी के यह समझ नहीं आ रहा है कि यह किस प्रकार से पे फिक्स की गयी है प्रार्थी महोदय जी, से अनुरोध करता है कि मेरे साथ हो रहे इस अन्याय को देखते हुए **रू01320–2040** के वेतनमान व इस पे फिक्स के बारे में स्पष्ट करने की कृपा कीजिएगा। यह **पे फिक्स दिनांक 01–01–2006** से होनी चाहिए थी **न की 01–04–2006 से।** इस संबंध में पे फिक्स से सम्बन्धित पेपर साथ में संग्लन है। और **दिनांक 01–01–2006** से किस प्रकार से पे फिक्स होनी चाहिए है।

6. यह कि प्रार्थी को **तब, 2010** से अभी तक, मानसिक पीड़ा का सामना करना पड रहा है आगे भी जब तक प्रार्थी के साथ उचित न्याय नहीं मिलता है तब तक मानसिक पीड़ा का सामना करना पड़ेगा। इस मानसिकता का प्रभाव प्रार्थी के पुरे परिवार पर भी पड रहा है। क्योंकि प्रार्थी को द्वितीय पदोन्नति उत्तर्णी होते हुए देरी से देने में कम से कम दो वर्ष का समय लगा है। वह भी बिना आर्थिक लाभ के रूप में।

7. यह कि **दिनांक 20 अगस्त, 2013** के पे फिक्स के पत्रानुसार संस्थान द्वारा दिया गया पे फिक्स पत्र से प्रार्थी के यह समझ से परे है क्योंकि प्रार्थी के तीन माह, जनवरी, फरवरी व मार्च क्यों छोड़ दिये गये है जबकि **पे फिक्स भारत सरकार के 6वें पे कमीशन के** अनुसार **दिनांक 01–01–2006** से पे फिक्स करनी चाहिए थी। न की **दिनांक 01–04–2006** से। इस प्रकार प्रार्थी को जहां पर आर्थिक लाभ मिलना था वहां आर्थिक हानि उठाने के लिए मजबूर किया जा रहा है **और भारत सरकार के नियमों की अनदेखी करते** हुए प्रार्थी के साथ न्याय करना तो दूर यहां के **डिलिंग अधिकारी/ कर्लक नियम अपनी** (व्यक्ति को देखकर) सुविधानुसार लागू करते है कि कहां से किसको किस प्रकार से आर्थिक लाभ करवाना है उदारण के तौर प्रार्थी के पे फिक्स पत्र प्रस्तुत है। **पेज न0– 11 से 12 पर।**

अतः महोदय जी, से पुनः विनम्र निवेदन है कि प्रार्थी के साथ हो रहे अन्याय को देखते हुए **रू01320–2040** के वेतनमान को प्रार्थी को लिखित रूप में अवगत करवाने की कृपा करके साथ में यह भी स्पष्ट करने की कृपा करें कि 5वें पे कमीशन में इस वेतनमान को केवल तकनीकी कर्मचारियों का **रू01320–2040** के वेतनमान को कौन से वेतनमान में मर्ज किया गया है।

नोट : इस प्रकार से प्रार्थी की इन दो समस्यों का समाधान करवाने में मदद करने की कृपा करें। पहली समस्या ऑडिट द्वारा दिनांक 27–11–2002 से रू04500–7000 का वेतनमान देना पर सम्पूर्ण समस्या का समाधान दूर कर सकता है। वह चाहे पे फिक्स की हो व चाहे वेतनमान की हो। पेज न0–6 पर।

क. इस सूचना के द्वारा प्रार्थी को यह अवगत करवाने की कृपा करें कि **रू01320–2040** का वेतनमान तकनीकी कर्मचारियों के लिए **5वें पे कमीशन में किस वेतनमान में मर्ज किया गया है इसे स्पष्ट करने की कृपा करें।**

ख. इस सूचना के द्वारा प्रार्थी की पे फिक्स **दिनांक 01–01–2006** के अनुसार करके देने की आर्थिक सहायता के रूप के में करने की कृपा करें जो उचित है।

ग. इस सूचना के द्वारा प्रार्थी को यह अवगत करवाने की कृपा करें कि एक ही कर्मचारी को चार–चार पदों पर **भारत सरकार के** नियमानुसार कार्य करने का अधिकार है जैसे कि हमारे **संस्थान में प्रशासनिक अधिकारी/वित्त अधिकारी/स्टोर कीपर अधिकारी/ शैक्षणिक अधिकारी** आदि पद एक ही कर्मचारी के पास है जिसके कारण इस संस्थान में चार–चार पदों पर कार्यभार संभालते हुए संस्थान के कर्मचारियों की समस्याओं की अनदेखी हो रही है।

घ. यह कि प्रार्थी को ऑडिट प्रार्टी के द्वारा दिया गया निर्णय सही है यानी कि **ऑडिट प्रार्टी (C&AG) द्वारा दिया गया वेतनमान रू04500–7000 का उचित है या अनुचित ?** जोकि प्रार्थी की सर्विस बुक में लिखित रूप में उचित निर्णय करके किया गया है। इन सभी उपरोक्त बिन्दुओं पर सूचना का अधिकार के तहत स्पष्ट करने की महान कृपा करें। **पेज न0–6 पर।**

ङ. यह कि एक प्रशासनिक अधिकारी की ग्रेड पे अधिक से अधिक क्या होनी चाहिए ? जोकि दिनांक 24–12–1987 को एक स्टेनोग्राफर ग्रेड–2 (Stenographer Grade-II) के पद पर नियुक्त हुए थे।

घ. यह कि इस संस्थान में प्रार्थी ही **एक मात्र अनुसूचित जनजाति का कर्मचारी** है जिसके कारण प्रार्थी के साथ जाति के प्रतिष्ठा के अनुरूप सतैला व्यवहार किया जा रहा है और जिसके कारण प्रार्थी के साथ **न्याय देने में जानबूझ कर आये दिन परेशान करके रखा है। क्या यह उचित है ?** जोकि एक मानसिकता पीड़ा को दिन–प्रतिदिन बढ़ावा दिया जा रहा है।

उपरोक्त, छ बिंदूओं पर, क, ख, ग व घ, ङ. च पर, सूचना के अधिकार अधिनियम, 2005 के अंर्तगत, अवगत करवाने की कृपा करें।

संक्षिप्त में, माननीय महोदय जी, को प्रार्थी रू01320–2040 के वेतनमान की विसंगति से भिन्न–भिन्न संस्थानों से संबंधित कुछ पेपर संलग्न कर रहा है जिसको देखते हुए इस रू01320–2040 के वेतनमान के संबंध में, केवल तकनीकी कर्मचारियों की समस्या अभी तक हल नहीं हो पा रही है। दिनांक 10–02–2015 के पत्र को देखते हुए। जोकि अभी तक चली आ रही है। पेज न0–13 से 19 पर।

अनुरोधकर्ता का नाम–	बलबीरसिंह चौहान
पिता का नाम–	श्री जय सिंह चौहान
पत्राचार का पूरा पता–	109–महिमा एनक्लेव, केहरी गांव, पो0ओ0–चंदनवाड़ी, प्रेमनगर, देहरादून–248008, उत्तराखण्ड।
आवेदन शुल्क जमा करने का प्रमाण–पत्र	धन राशि रू010/– भारतीय पोस्टल आर्डर न0 26F 134581 दिनांक 13-7-2015 आवेदन के शुल्क के रूप में संलग्न है।
आवेदन शुल्क फोटो कापी प्राप्ति हेतु–	धनराशि रू050/भारतीय पोस्टल आर्डर न0 726 958213 दिनांक 13-7-2015 फोटो कापी प्राप्ति के रूप में संलग्न है।
आवेदन पत्र जमा करने की तिथि–	दिनांक 13-07-2015

धन्यवाद

प्रार्थी

बलबीरसिंह

(बलबीरसिंह चौहान)
109–महिमा एनक्लेव,
केहरी गांव, पो0ओ0–चदनवाड़ी
प्रेमनगर, देहरादून–248007, उत्तराखण्ड

भारतीय वन्यजीव संस्थान
चन्द्रबनी देहरादून

सं0 ए/2–3/2007–मा0व0सं0 दिनांक: 21 सितम्बर, 2007

कार्यालय आदेश

संस्थान के सम संख्यक दिनांक 26.03.2007 के कार्यालय आदेश के क्रम में निर्धारण प्रोन्नति के परिणामस्वरूप **श्री बलबीर सिंह चौहान, ट्रेड्समैन (पुस्तकालय)** का वेतन, प्रोन्नत वेतनमान (4000–100–6000) में निम्नानुसार निर्धारित किया जाता है।

क्र.सं.	अवधि		वेतन (रुपये में)
	से	तक	
1	27.11.2002	31.10.2003	4000.00
2	01.11.2003	31.10.2004	4100.00
3	01.11.2004	31.10.2005	4200.00
4	01.11.2005	31.10.2006	4300.00
5	01.11.2006	31.10.2007	4400.00

उनकी अगली वेतन वृद्धि की तिथि 01.11.2007 होगी।

यह आदेश सक्षम अधिकारी की स्वीकृति से जारी किये जाते हैं।

(पी0के0 अग्रवाल)
प्रशासनिक अधिकारी

श्री बलबीर सिंह चौहान
ट्रेड्समैन (पुस्तकालय)

प्रतिलिपि :

1. सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारी
2. वित्त अधिकारी
3. सेवा पंजिका/व्यक्तिगत मिसिल
4. गार्ड फाईल

5

(333)

(6)

IV—सेवा वृत्त तथा उसका सत्यापन
IV—History and Verification of Service

वाल्मीकि देहि

क्रम सं० S. No.	अवधि Period से From	तक To	पद, वेतनमान तथा कार्यालय (स्थान सहित) Post, scale of pay and office (with station)	वेतन Pay मूल Substantive	स्थानापन्न Officiating	खाना 4-6 को प्रभावित करने वाली घटना (देखिए अनुदेश 10) Event affecting cols 1-6 [vide Instruction 10]	साक्ष्यांकन अधिकारी के हस्ताक्षर तथा पदनाम (तारीख सहित) Signature and designation of attesting officer (with date)	सत्यापन अधिकारी के हस्ताक्षर तथा पदनाम (तारीख सहित) Signature and designation of verifying officer (with date)	सरकारी कर्मचारी के हस्ताक्षर Signature of the Government Servant	अभियुक्तियां Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11

Service verified upto 31-3-2007
from the pay bills book concerned

[signature]
Administrative Officer,
Institute of India,
DEHRADUN

Vide O.O. No. A12-3/2007-WII/ dated 26th March, 2007 and in accordance with the applicable rules Governing the process of Assessment Promotion in the Group-III/II Technical Services and approval of the Competent Authority, the following technical staff of this Instt. is promoted to the next higher group and grade with effect from the date mentioned as under:

Name & Designation	Present group grade and payscale	Promoted group grade and payscale	from
1. Sh. B.S. Chauhan Tradesman 'A' Library	II (1) 3050-4590	II (2) 4000-100-6000	27.11.2002

This issues with the approval of the C.A.

[signature]
A.O.

He will be granted grade G. P. 4500-125-7000 (Pre-revised Rs. 1350-2200 & Rs. 1400-2300) w.e.f. 27.11.2002.
Fresh calculations may be made upto date accordingly. — [signature]
2.6.9.13
Audit Officer

[signature] Chauhan
27-11-2013

(3)

IV—सेवा वृत्त तथा उसका सत्यापन
IV—History and Verification of Service

वाल्मीकि देहि

क्रम सं०	अवधि Period से	तक	पद, वेतनमान तथा कार्यालय (स्थान सहित) Post, scale of pay	वेतन Pay मूल	स्थानापन्न	खाना 4-6 को प्रभावित करने वाली घटना (देखिए अनुदेश 10) Event affecting col...	साक्ष्यांकन अधिकारी के हस्ताक्षर तथा पदनाम (तारीख सहित) Signature and desi...	सत्यापन अधिकारी के हस्ताक्षर तथा पदनाम (तारीख सहित)	सरकारी कर्मचारी के हस्ताक्षर	अभियुक्तियां

332

WILDLIFE INSTITUTE OF INDIA
CHANDRABANI DEHRADUN

No.A/2-31/2002-WII

Dated 19th May 2014

To

Shri Balbeer Singh Chauhan
Technical Group II (3)
WII

Sir,

With reference to your representation dated 05.12.2013 regarding grant of revised grade with effect from 27.11.2002, it is informed that the matter has been examined and it has been decided by the Competent Authority that the matter will be placed before the next audit with complete facts for second advise and appropriate decision shall be taken thereafter.

Yours faithfully,

(P.K.Aggarwal)
Administrative Officer

7

(331)

PH : 0135 -2641700

MINOCHA HOSPITAL

NEAR HILTON SCHOOL SAHARANPUR ROAD MAJRA DEHRADUN - 248171 (U.K)

Date : 9-12-2011

This is to certify that Mr. Balbir Singh Chauhan is suffering from Depression and is on regular treatment from this hospital. He is advised not to undertake any stressful work.

Dr. S.K. Minocha
M.B.B.S., M.D.
Consultant Physician

(8) (8)

Statement of fixation of pay under Central Civil Service (Revised Pay) Rules 2008

1	Name of the Government Servant	:	Shri Balbir Singh Chauhan	
2	Designation of the post in which pay is to be fixed as on January 1, 2006	:	Technical Group-II (Grade-II)	
3	Status (substantive/officiating)	:	Substantive	
4	Pre-revised scale(s) of pay applicable for the post [In case more than one scale of pay is applicable for the post and these have been merged in pursuance of the recommendation of the Sixth CPC in a single revised scale, the scale of pay in which the employee was actually drawing his pay should be specified]	:	4000-100-6000	
5	Existing emoluments as on January 1, 2006	:		
	(a) Basic pay (including Stagnation Increments, if any)	:		4300.00
	(b) Dearness Pay	:		2150.00
	(c) Dearness Allowance applicable at AICPI average 536 (1982=100)	:		1548.00
	(d) Total existing emoluments [(a) to (c)]	:		7998.00
6	Revised pay band and grade pay corresponding to the pre-revised scale shown at Sl. No. 4 above. (In the case of HAG + and above the appropriate scale may be mentioned)	:	Pay Band	5200-20200
			Grade Pay	2400.00
7	Pay in the revised pay band/scale in which pay is to be fixed as per the fitment table.	:		8000.00
8	Grade pay to be applied in terms of Rule 4 of CCS(RP) Rules, 2008	:		2400.00
9	Stepped up pay with reference to the revised pay of Junior, if applicable [Notes 7 and 10 below Rule 7 (1) of CCS (RP) Rules, 2008]. Name and pay of the junior also to be indicated distinctly.	:		10400.00
10	Revised pay with reference to the Substantive Pay in cases where the pay fixed in the officiating post is lower than the pay fixed in the substantive post if applicable [Sub Rule (2) of Rule 7].	:		
11	Personal Pay, if any [Notes 6 and 8 below Rule 7(1)]	:		
12	Revised emoluments after fixation	:		
	(a) Pay in the Revised Pay Band/Pay Scale	:		8000.00
	(b) Grade Pay	:		2400.00
	(c) Special Pay, if admissible (Sub Rule 1(C) of Rule 7)			
	(d) Personal Pay, if admissible			
	(e) Non-Practising Allowance, if admissible [Sub Rule 1(D) of Rule 7]			
13	Date of next increment (Rules 9 and 10) and pay after grant of increment			
	Date of increment		Pay in the pay Band/Scale	Grade Pay (wherever applicable)
			8000.00	2800.00
	01.04.2006 (Promoted to 4500-7000)		8320.00	2800.00
	01.07.2006 (Notional)		8660.00	2800.00
	01.07.2006 (Effective)		9000.00	2800.00
	01.07.2007		9360.00	2800.00
	01.07.2008			
14	Any other relevant information			

Signature & Designation of Head of Office

Date: B S Chauhan

31/12/08

(9)

329

WILDLIFE INSTITUTE OF INDIA
CHANDRABANI DEHRADUN

No.A/2-3/2007-WII

Dated 25th February 2008

Office Order

On the recommendations of Selection and Assessment Promotion Committee – II and with the approval of Competent Authority regarding adoption of conversion formulae for Technical Group-II staff for placement from Technical Group II (Grade 2) from the Pay Scales of pre-revised Recruitment Rules to the pay scales of revised Recruitment Rules w.e.f. 01.04.2006, Shri Balbir Singh Chauhan, Tradesman (Library) is hereby placed in the pay scale of Rs.4500-125-7000 w.e.f. 1.4.2006. After placement he will draw the following pay:

S. No.	Duration		Pay in the pay scale of Rs.4500-125-7000
	From	To	
1.	01.04.2006	31.03.2007	4500.00
2.	01.04.2007	31.03.2008	4625.00

His date of next increment will be 01.04.2008.

This issues with the approval of Competent Authority.

(P.K.Aggarwal)
Administrative Officer

Distribution:

1. Shri Balbir Singh Chauhan, Technical Group-II (Grade 2) (Library)
2. Finance Officer
3. Librarian
4. Service Book/Personal File
5. Guard File

(5)

(10)

328

WILDLIFE INSTITUTE OF INDIA
CHANDRABANI DEHRADUN

No.A/2-3/2007-WII

Dated 21 March 2012

Office Order

In continuation of Office Order No. No.A/2-3/2010-WII dated 24.02.2012 and the option exercised by him, the pay of Shri Balbeer Singh Chauhan, Technical Group II (3) is hereby fixed in the Pay Band 2 (9300-34800) Grade Pay 4200 as under:

Sl. No.	Period		Pay	Grade Pay
	From	To		
1.	27.11.2010	30.06.2011	10500	4200
2.	01.07.2011	30.06.2012	10940	4200

His date of next increment will be 01.07.2012.

This issues with the approval of the Competent Authority.

(P.K.Aggarwal)
Administrative Officer

Shri Balbeer Singh Chauhan,
Technical Group IV (Grade 3)

Distribution :

1. Finance Officer
2. Personal File/Service Book
3. Guard File

8 11

(327)

WILDLIFE INSTITUTE OF INDIA
CHANDRABANI DEHRADUN

No.A/2-11/2009-WII

Dated 20 August 2013

Office Order

With the approval of the Competent Authority, the pay of Shri Balbeer Singh Chauhan, Technical Group II (3) is hereby fixed as under:

Sl. No.	Period		Pay	Grade Pay
	From	To		
1.	01.04.2006	30.06.2006	8000	2800
2.	01.07.2006	30.06.2007	8330	2800
3.	01.07.2007	30.06.2008	8670	2800
4.	01.07.2008	30.06.2009	9020	2800
5.	01.07.2009	26.11.2009	9380	2800
6.	27.11.2009	30.06.2010	9750	4200
7.	01.07.2010	30.06.2011	10170	4200
8.	01.07.2011	30.06.2012	10610	4200
9.	01.07.2012	30.06.2013	11060	4200
10.	01.07.2013	30.06.2014	11520	4200

(P.K.Aggarwal)
Administrative Officer

Shri Balbeer Singh Chauhan,
Technical Group II (3)

Distribution :

1. Finance Officer
2. Personal File/Service Book
3. Guard File

(12)

(326)

भारतीय प्रतिरक्षा मजदूर संघ
BHARATIYA PRATIRAKSHA MAZDOOR SANGH

(AN ALL INDIA FEDERATION OF DEFENCE WORKERS)
(AN INDUSTRIAL UNIT OF B.M.S.)
(RECOGNISED BY MINISTRY OF DEFENCE, GOVT. OF INDIA)

CENTRAL OFFICE: 2-A, NAVEEN MARKET, KANPUR – 208001, PH & FAX : (0512) 2332222
MOBILE: 09415733686, 09235729390, 09335621629, WEB : www.bpms.org.in

REF: BPMS / OFB / Court Case / 130 (7/5/L) **Dated: 26.10.2013**

To,
The DGOF & Chairman,
Ordnance Factory Board,
10 A, S K Bose Road,
Kolkata - 700001,

Subject: **Compliance of CAT (Principal Bench) order in respect of Laboratory Technicians working in OFB.**

Reference: O.A. No. 2660/2012, M.A. No. 0643/2012 & 2848/2012 and Order reserved on 02.09.2013 & pronounced on 11.10.2013

Respected Sir,

With due regards, it is submitted that this federation has raised the matter regarding **removal of anomaly in the entry grade pay scale of Laboratory Technicians serving in Ord Fy Hospitals in PB – 2 with Grade Pay of Rs 4200 instead of PB-1 with Grade Pay of Rs 2800** in the 88th & 89th Departmental Council (JCM) (MOD) Meetings on the plea that the incumbents holding B.Sc. plus DMLT are directly recruited in the pay scale of Rs. (5000 – 8000) i.e. Grade Pay Rs. 4200 in the Ministry of Railways, whereas the Lab Technicians have the same qualification are directly recruited in the pay scale of Rs. (4500 – 7000) i.e. Grade Pay Rs. 2800 in the Ministry of Defence (Ord Fy Hospitals).

The issue was also raised as Item No. 05 in the 2nd meeting of the Departmental Anomalies Committee held on 20th Oct, 2010 under the Chairmanship of Addle Secretary (M), wherein it was decided that JS (E/PG) will hold a meeting with DDP officials to expedite these issues and in this regard, action has to be taken by D(Civ-I)/D(Fy-II) as communicated MOD ID No. 17 (1)/2009-D(Civ-I), dated 11.11.2010. But the issue was unresolved for long which compelled the federation to go to Central Administrative Tribunal (Principal Bench) to redress the grievance and the CAT observed as under:-

> *"Para 6.: …….. The recruitment rules in respect of the cadre of the Laboratory Technician have been notified by the respondents after 07 years in the year 2005 which was expected to have been done within two months or thereabout. The VI CPC recommendations became effective from 01.01.2006.*

F No 11013/16/2014 Ad IV
Government of India
Ministry of Finance
Department of Revenue
(Central Board of Excise & Customs)
*****

Hudco Vishal Building 5th Floor
Bhikaji Cama place
New Delhi, the 11 February 2015

CORRIGENDUM

Subject: Merger of Senior Technical Assistant and Technical Assistant in the Directorate of Logistics

In the Board's letter No. F.No.A.11013/16/2014-Ad.IV dated 28.01.2015 on the subject mentioned above-

(i) In the entries at table 1 (Sl. No. 1) and table 2 (Sl. No. 1) regarding Pre-revised Pay Scale and Existing Pay Scale of Radio Technician (Diploma Holder)-

For	Pre-revised Pay Scale (Rs) 1320-2040 Existing Pay Scale (Rs) 4000-6000
Please Read	Pre-revised Pay Scale (Rs) 1400-2300 Existing Pay Scale (Rs) 4500-7000

(ii) In the entries at table 1 (Sl. No. 2) and table 2 (Sl. No. 2) regarding Pre-revised Pay Scale of Technical Assistant-

For	Pre-revised Pay Scale (Rs) 1400-2300
Please Read	Pre-revised Pay Scale (Rs) 1400-2600

(B.Ginkhan Mang)
Under Secretary to the Govt. of India

To

All Principal Chief Commissioners
All Directors General and
Commissioners In-charge in Directorates
under Central Board of Excise & Customs

Copy to:-

1. PPS to Chairman(CBEC)/ All Members (CBEC) /JS (Admn)/EC)
2. All Joint Secretaries/Commissioners in CBEC Hqrs
3. Directorate of Logistics, New Delhi
4. Principal Chief Controller of Accounts, CBEC
5. Department of Expenditure, North Block, New Delhi
6. DG Systems, Samrat Hotel, New Delhi – with the request to upload the above order on the website of CBEC
7. IFU (B&A)/ EC

Such a delay in notifying the revised recruitment rules as a follow up to the recommendations of the Pay Commission can under no circumstances be justified. We are making this observation in the context that by the time rules have been notified the time has come for implementing the recommendations of the next Pay Commission (VI CPC). Thus, there is hardly any time for the objectives behind the recommendations of that Pay Commission to be fulfilled within 10 years period to which it relates.

Para 9 : From the above sequence of events what comes out is that (i) respondents have never seriously applied their mind to the demand of the applicants and never formally examined the issue in consultation with their Integrated Finance as they had decided, (ii) the proposal of the respondent no.2, if there was any, with regard to the demand of the applicants, did not reach the departmental anomaly committee till the year 2011 and (iii) this is a sad reflection on the functioning of the respondents that the issues arising out of 5th CPC recommendations have to be referred to the departmental anomaly committee in 2010 and 2011 when they should be considering the anomalies arising out of the recommendations of the 6th CPC. Now in the counter filed by the respondents a uniform stand has been taken against most averments in the OA that since the recruitment qualification at the time of the recruitment of the existing Laboratory Technicians (LTs) in the Ordnance Factories was matriculation with diploma in DMLT, they were granted the scale of Rs.4500-7000. It may be recalled here that 5th CPC had recommended upgradation of the basic qualification of L.T. to B. Sc. alongwith DMLT and grant of higher pay scale of Rs.1600-2660 (corresponding to Rs.5000-8000). The respondents for some unknown reasons have raised the qualification of L.T. in the recruitment rules published in the year 2005 as recommended by the 5th CPC but retained the pay scale at Rs.4500-7000 (Rs.1320-2040 pre-revised) which was meant for the LTs with the basic qualification of matriculation. If the logic behind retaining lower pay scale is that all existing LTs (as on 01.01.2006) were matriculates (which is not true!) and therefore cannot be given higher pay scale, then it does not make sense to upgrade the qualification to B. Sc. level. On the other hand if the intention is to improve the quality of intake into the cadre by upgrading the qualification, then it does not make sense to give new recruits or incumbents with B Sc. plus DMLT qualification the pay scale of LTs with matric qualification. A list of 42 LTs working in Ordnance Factory Hospital filed by the applicants in their rejoinder shows that nearly half of them possess B. Sc. (or higher) plus DMLT qualification."

Finally, the CAT held as under:

"Accordingly, we direct the respondents to take a final decision with regard to the representations submitted by the applicants and communicate

their decision within a period of 03 months. Needless to add that the issue has been hanging in fire for nearly 15 years, without any satisfactory resolution and, therefore, the respondents would consider the matter with due urgency, taking into account the recommendations of the 5th CPC and our observations in the preceding paragraphs."

Therefore, you are requested to take appropriate action so that the Lab Technicians of OFB may be granted the entry pay scale of Rs. (5000 – 8000) w.e.f. 03.08.2005, i.e. the date of notification of revised Recruitment Rules (SRO. 88) for Laboratory Technicians.

Thanking you.

Sincerely yours

Enclosed: Photocopy of referred CAT order

(M. P. SINGH)
General Secretary

(2) (16)

(15)

(324)

भारतीय प्रतिरक्षा मजदूर संघ

BHARATIYA PRATIRAKSHA MAZDOOR SANGH

(AN ALL INDIA FEDERATION OF DEFENCE WORKERS)

(AN INDUSTRIAL UNIT OF B.M.S.)

(RECOGNISED BY MINISTRY OF DEFENCE, GOVT. OF INDIA)

CENTRAL OFFICE: 2-A, NAVEEN MARKET, KANPUR – 208001, PH & FAX : (0512) 2332222
MOBILE : 09415733686, 09235729390, 09335621629, WEB : www.bpms.org.in

REF: BPMS / MOD / Court Case / 130 (7/5/L) **Dated: 26.10.2013**

To,
The Secretary,
Department of Defence Production,
Govt of India, Min of Defence,
South Block, DHQ PO,
New Delhi – 110011

Subject: **Compliance of CAT (Principal Bench) order in respect of Laboratory Technicians working in OFB.**

Reference: O.A. No. 2660/2012, M.A. No. 0643/2012 & 2848/2012 and Order reserved on 02.09.2013 & pronounced on 11.10.2013

Respected Sir,

With due regards, it is submitted that this federation has raised the matter regarding **removal of anomaly in the entry grade pay scale of Laboratory Technicians serving in Ord Fy Hospitals in PB – 2 with Grade Pay of Rs 4200 instead of PB-1 with Grade Pay of Rs 2800** in the 88th & 89th Departmental Council (JCM) (MOD) Meetings on the plea that the incumbents holding B.Sc. plus DMLT are directly recruited in the pay scale of Rs. (5000 – 8000) i.e. Grade Pay Rs. 4200 in the Ministry of Railways, whereas the Lab Technicians have the same qualification are directly recruited in the pay scale of Rs. (4500 – 7000) i.e. Grade Pay Rs. 2800 in the Ministry of Defence (Ord Fy Hospitals).

The issue was also raised as Item No. 05 in the 2nd meeting of the Departmental Anomalies Committee held on 20th Oct, 2010 under the Chairmanship of Addle Secretary (M), wherein it was decided that JS (E/PG) will hold a meeting with DDP officials to expedite these issues and in this regard, action has to be taken by D(Civ-I)/D(Fy-II) as communicated MOD ID No. 17 (1)/2009-D(Civ-I), dated 11.11.2010. But the issue was unresolved for long which compelled the federation to go to Central Administrative Tribunal (Principal Bench) to redress the grievance and the CAT observed as under:-

> *"Para 6.: ..... The recruitment rules in respect of the cadre of the Laboratory Technician have been notified by the respondents after 07 years in the year 2005 which was expected to have been done within two months or thereabout. The VI CPC recommendations became effective from 01.01.2006.*

(I) (17)

Such a delay in notifying the revised recruitment rules as a follow up to the recommendations of the Pay Commission can under no circumstances be justified. We are making this observation in the context that by the time rules have been notified the time has come for implementing the recommendations of the next Pay Commission (VI CPC). Thus, there is hardly any time for the objectives behind the recommendations of that Pay Commission to be fulfilled within 10 years period to which it relates.

Para 9 : From the above sequence of events what comes out is that (i) respondents have never seriously applied their mind to the demand of the applicants and never formally examined the issue in consultation with their Integrated Finance as they had decided, (ii) the proposal of the respondent no.2, if there was any, with regard to the demand of the applicants, did not reach the departmental anomaly committee till the year 2011 and (iii) this is a sad reflection on the functioning of the respondents that the issues arising out of 5th CPC recommendations have to be referred to the departmental anomaly committee in 2010 and 2011 when they should be considering the anomalies arising out of the recommendations of the 6th CPC. Now in the counter filed by the respondents a uniform stand has been taken against most averments in the OA that since the recruitment qualification at the time of the recruitment of the existing Laboratory Technicians (LTs) in the Ordnance Factories was matriculation with diploma in DMLT, they were granted the scale of Rs.4500-7000. It may be recalled here that 5th CPC had recommended upgradation of the basic qualification of L.T to B. Sc. alongwith DMLT and grant of higher pay scale of Rs.1600-2660 (corresponding to Rs.5000-8000). The respondents for some unknown reasons have raised the qualification of L.T. in the recruitment rules published in the year 2005 as recommended by the 5th CPC but retained the pay scale at Rs.4500-7000 (Rs.1320-2040 pre-revised) which was meant for the LTs with the basic qualification of matriculation. If the logic behind retaining lower pay scale is that all existing LTs (as on 01.01.2006) were matriculates (which is not true!) and therefore cannot be given higher pay scale, then it does not make sense to upgrade the qualification to B. Sc. level. On the other hand if the intention is to improve the quality of intake into the cadre by upgrading the qualification, then it does not make sense to give new recruits or incumbents with B Sc. plus DMLT qualification the pay scale of LTs with matric qualification. A list of 42 LTs working in Ordnance Factory Hospital filed by the applicants in their rejoinder shows that nearly half of them possess B. Sc. (or higher) plus DMLT qualification."

Finally the CAT held as under:

"Accordingly, we direct the respondents to take a final decision with regard to the representations submitted by the applicants and communicate

323

their decision within a period of 03 months. Needless to add that the issue has been hanging in fire for nearly 15 years, without any satisfactory resolution and, therefore, the respondents would consider the matter with due urgency, taking into account the recommendations of the 5th CPC and our observations in the preceding paragraphs."

Therefore, you are requested to take appropriate action so that the Lab Technicians of OFB may be granted the entry pay scale of Rs. (5000 – 8000) w.e.f. 03.08.2005, i.e. the date of notification of revised Recruitment Rules (SRO. 88) for Laboratory Technicians.

Thanking you.

Sincerely yours

(M. P. SINGH)
General Secretary

Enclosed: Photocopy of referred CAT order

19